

होली रंगों का त्यौहार...आया लेकर 21 जन्मों  
का उपहार\*\*\*\*\*

दिलसे करो सब सत्कार....बाबा लाया है पावन  
सतयुग की सौगात\*\*\*\*\*

एक दूजे को पहनाओ स्नेह सहयोग के तुम सुंदर  
हार\*\*\*\*\*

मिलेगा जब ही तुमको विश्व तख्त का राज्य  
अधिकार\*\*\*\*\*

भर लो अपना दामन सुख शांति के वरसे से सब  
...संगम पर प्रभु आया है ...लेकर ज्ञान

भंडार\*\*\*\*\*

कर लो स्वागत कमल हस्तो से ...शिव आया  
तुमरे द्वार\*\*\*\*\*

देदो भक्ति के वेद शास्त्र को अब त्याग...मिला है  
सच्ची गीता का सच्चा ज्ञान\*\*\*\*\*

रंग लो आत्मा को परमात्म चिंतन से... संगम  
मिलता है कल्प में सिर्फ एक बार\*\*\*\*\*

भगवान को ढूढ़ते थे आधे कल्प से... वो आया..  
नयन खोल खड़ा है बाहें पसार\*\*\*\*\*

मिलने की घड़ी है आई... रंग जा प्रेम रंग में ..संग  
मिलेगा न फिर इतनी जल्दी ... होली हो जा होली  
बापदादा के साथ \*\*\*\*\*

\*\*\*\*\*ॐ शांति\*\*\*\*\*

\*\*\*\*\*बापदादा को रुहानी नमस्ते\*\*\*और याद

प्यार\*\*\*\*मीठा सा बाहों का होली का आत्माओ  
का सुंदर हार\*\*\*\*